(15) G.S.R. No. 654(E), dated the 15th October, 1993 publishing the Indian Administrative Service (Fixation of Cadre Strength) Ninth Amendment Regulations, 1993.

(16) G.S.R. No. 655(E). dated the 15th October, 1993 publishing the Indian Administrative Service (Pay) Ninth Amendment Rules, 1993.

(17) G.S.R. No. 656(E), dated the 15th October. 1993 publishing the Indian Administrative Service (Fixation of Cadre Strength) Eighth Amendment Regulations, 1993.

(18) G.S.R. No. 657(E), dated the 15th October, 1993, publishing the Indian Administrative Service (Fixation of Cadre Strength) Eighth Amendment Rules, 1993.

(19) G.S.R. No. 685(E), dated the 4th November, 1993 publishing the Indian Forest Service (Fixation of Cadre Strength) Second Amendment Regulations, 1993.

(20) G.S.R. No. 686(E), dataed the ^^ftoyember, *199% publisi*ng the.- Indian Forest Sewiee . (Pay) Third, Amendment Rules 1993.

(21) G.S.R. No. 687(E), dated the 4th November, 1993 publishing the Indian Forest Service (Fixation of Centre Strength)Third Amend-"* meat; Regulations, 1953.

(22) G.S.R. No. 688 (E), dated the 4th November, 1993 publishing the Jfltfro Forest Service' (Pay) Fourth Amendment Rules 1993.

(Placed in Library *See* No. LT 4638/93 for (1) to (22)].

Third Report of the Department-Related Parlimentary Standing Committee on Science and Technology, Environment and forests,

SYED SIBTEY RAZI (Uttar Pradesh) : I present the Third Report (in English and Hindi), of the Department-Related Parliamentary Standing Committee on Science and Technology, Environment and Forests on the Annual Report of the Ministry of Environment and Forests for the year 1992-93.

SHRI M. A. BABY: Madam, throughout Delhi people are demonstrating.

THE DEPUTY CHAIRMAN: I have to make an announcement. After that you can demonstrate.

LEAVE OF ABSENCE

THE DEPUTY CHAIRMAN: I have to inform Members that a letter has been received from Shri Sudhir Ranjan Majum-dar stating that he has been suffering from malaria and has become seriously ill. He will not, therefore, be in a position to attend the House during the remaining part of the current Session. He has, therefore, requested for the grant of leave of absence.

Is it the pleasure of the House that permission be granted to Shri Sndhir Ranjan Majumdar for remaining absent from the remaining part of the current Session ?

(No hon. Member dissented)

THE DEPUTY CHAIRMAN: Permission to remain absent is granted.

RE. ARREST OF BJP LEADERS

(श्री सिकन्दर बख्त) सदर सहिबा.....

†شری سکندر بخت: صدر صاحبہ...

†[ ] Transliteration in Arabic Script.

SHRI M. A. BABY (Kerala): Madam, people are ... *(Interruptions).*

THE DEPUTY CHAIRMAN: I have allowed Shri Sikander Bakht.

(Interruptions). I have allowed Shri Sikander Bakht.

(Interruptions). I have allowed the Leader of the Opposition to say whatever he wants to say.

श्री सिकन्दर बख्त : सदर साहिबा, मैं यह अर्ज कर रहा हूं कि हम इरादतन क्वेश्चन अवर में हाजिर नहीं हुए । मैंने उसी वक्त आप को कहा था कि जो गुजारिश मैं रखना चाहता हूं, मैं सहूलियत के साथ रखना चाहता हूं । मैं नहीं चाहता कि किसी किस्म का ऊधम मचे । मैं आप से और हाउस के मेंबरान से दरख्वास्त करता हूं कि आइ मे बी पर्मिटेड टु से...

(व्यवधान)

सदर साहिबा, यह मालूम होता है कि ये उसी किस्म की दखल दे रहे हैं जो कल हुआ था ।

श्री सिकन्दर बख्त: मैं यह अर्ज कर रहा हूं कि हम इरादतन क्वेश्चन आवर में हाजिर नहीं हुए । मैंने उसी वक्त आपको कहा था कि जो गुजारिश मैं रखना चाहता हूं, मैं सहूलियत के साथ रखना चाहता हूं । मैं नहीं चाहता कि किसी किस्म का ऊधम मचे । मैं आप से और हाउस के मेंबरान से दरख्वास्त करता हूं कि आइ मे बी पर्मिटेड टु से... "मदाखलत"... सदर साहिबा, यह मालूम होता है कि ये उसी किस्म की दखल दे रहे हैं जो कल हुआ था...

श्री जगदीश प्रसाद माथुर (उत्तर प्रदेश) : अगर नहीं कहने देंगे तो हम हाउस को चलने नहीं देंगे... **(व्यवधान)**

THE DEPUTY CHAIRMAN: Let him speak ... (*Interruptions*) ...

श्री सिकन्दर बख्त : बिल्कुल ठीक है । आप चाहते हैं कि यह सिलसिला जारी रखा जाय तो बेशक रखिये ।

I have done my best _____ *(Interruptions)* ...

हम लोग डिलिबरेटली कल लंच के बाद हाजिर नहीं हुए और आज हम लोगों ने डिलीबरेटली क्वेश्चन आवर का बायकाट किया । सदर साहिबा, मैंने आपकी खिदमत में अर्ज किया था कि मैं चंद मिनट आपकी खिदमत में रखना चाहता हूं । लेकिन इन साहबान को बेचैनी है । बेशक जारी रखिये । हम कल का रंग ला सकते हैं... **(व्यवधान)**...कोई दिक्कत नहीं है, और फरमाइये ।

श्री सिकन्दर बख्त: जारी । बिल्कुल ठीक है । आप चाहते हैं यह सिलसिला जारी रखा जाए तो बेशक रखिये । हम लोग डिलीबरेटली कल लंच के बाद हाजिर नहीं हुए और आज हम लोगों ने डिलीबरेटली क्वेश्चन आवर का बायकाट किया । सदर साहिबा, मैंने आपकी खिदमत में अर्ज किया था कि मैं चंद मिनट आपकी खिदमत में रखना चाहता हूं । लेकिन इन साहबान को बेचैनी है । बेशक जारी रखिये ।

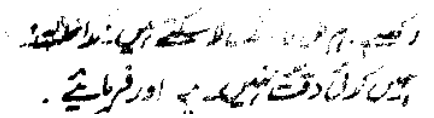

SHRI SUBRAMANIAN SWAMY (Uttar Pradesh) : They have declared a *bandh* and ihey arc violating it themselves . . . *{Interruptions)* . . .

SHRI SIKANDER BAKHT : We do not care, whatever you may say . . . *(Interruptions)* ...

SHRI SUBRAMANIAN SWAMY : (am addressing the Chair. You have declared a *bandh* . . . *(Interruptions)* . .

THE DEPUTY CHAIRMAN : I request the Member. Mr. Sikander Bakht is the Leader of the Opposition. Let him say whatever he wants to say.

श्री सिकन्दर बख्त : मैं एक बात अर्ज करूंगा कि क्या ये साहब खुदाई फौजदार हैं। हमें क्या करना है, इसकी इजाजत हमें किसी से लेने की जरूरत नहीं है। आप खुदाई फौजदार बने हुए हैं हर चीज में अपनी टांग अड़ाने की कोशिश करते हैं।

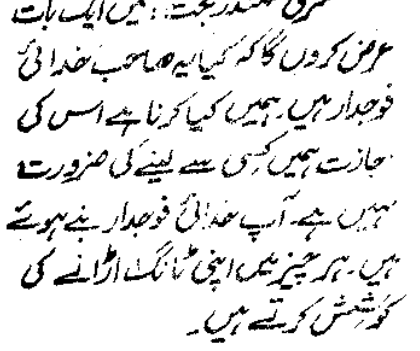

THE DEPUTY CHAIRMAN : Mr. Naryanasamy, please .... *(Interruptions)* ... Just a minute . .. *(Interruptions)* . ..

SHRI SUBRAMANIAN SWAMY: They have declared ;i *bandh* and they are violating if themselves. This is immoral.

†[] Transliteration in Arabic Script

श्री सिकन्दर बख्त: सदर साहिबा, छोड़िये अगर यह होना है तो छोड़िये। यह होना है तो हो।

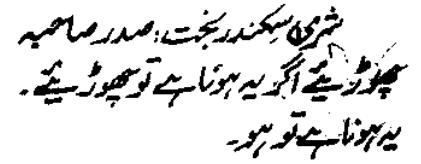

उपसभापति श्री सिकन्दर बख्त : साहब, आप बोलिये ना।

श्री सिकन्दर बख्त : सदर साहिबा कल होम मिनिस्टर साहब किस वक्त जागे जो अचानक स्टेटमेंट लेकर तशरीफ ले आये। यह उनका हक है कि वह जब चाहे स्टेटमेंट कर सकते हैं। लेकिन क्या स्टेटमेंट है, सुभानअल्ला एक लफ्ज है, दूसरा लफ्ज है माशाअल्लाह। जो कन्क्लूसिव आब्जर्वेशन होम मिनिस्टर साहब का है, उन्होंने अपनी-अपनी एक-एक अपनी कही हुई बात की तरजीह की है। स्टेटमेंट बोल क्या रहा है और खामोश कितना है, इसका कोई जिक्र नहीं है। यह बिल्कुल इन्कौक्लसिव स्टेटमेंट है जिसका कोई मकसद है ही नहीं। सदर साहिबा मैं होम मिनिस्टर साहब से पूछना चाहता हूं कि इस स्टेटमेंट में.... (व्यवधान) . . .

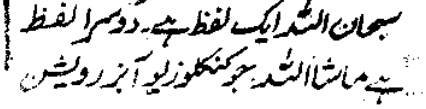

ہوم منسٹر صاحب کا ہے انہوں نے اپنی
اپنی ایک کہی ہوئی بات کی ترجیح
کی ہے۔ اسٹیٹ منٹ بول کیا رہا ہے اور
خاموش کیا ہے۔ اس کا کوئی ذکر نہیں ہے
یہ بالکل انکاکس اسٹیٹ منٹ ہے جس کا
کوئی مقصد ہے ہی نہیں۔ صدر صاحبہ میں
ہوم منسٹر صاحب سے پوچھنا چاہتا ہوں
کہ اس اسٹیٹ منٹ میں ... مداخلت ...

SHRI MOHAMMED AFZAL alia MEEM AFZAL (Uttar Pradesh) : Madam, this is against rules. The statement ha: been-made and the clarifications have beer sought. He .cannot raise it again. You are setting a new precedent ... *(Interruptions]*

SHRI V. NARAYANASAMY (Pondicherry) : They cannot raise it again. How can they?

THE DEPUTY CHAIRMAN: Mr. Narayanasamy, please sit down. Are you questioning the wisdom of the Chair ? Mr. Sikander Bakht met me in the morning and he said that after the question Hour, since he did not want to disturb the proceedings of the House, I think he has a right to say whatever he likes and I have given him the permission.

श्री सिकन्दर बख्त : मगर साहिबा, जब कल ऐसी हालत पैदा हुई ... ... (**व्यवधान**) ...

شری سکندر بخت : صدر صاحبہ
جب کل ایسی حالت پیدا ہوئی ... مداخلت

उपसभापति : एक मिनट सिकन्दर बख्त जी एक मिनट शांति से बैठिए । अहलुवालिया जी आप बैठिये ।

श्री एस०एस० अहलुवालिया (बिहार) : ये अपनी बात धमकी से शुरू करते है । ये किसको धमकी देना चाहते हैं ?

SHRI SUBRAMANIAN SWAMY : Your permission is not in question. I , have a point of order.

THE DEPUTY CHAIRMAN : There is no question of point of order.

SHRI SUBRAMANIAN SWAMY: The fact of the matter is that he can say whatever he want to say. But he cannot ask clarifications just now.

श्री सिकन्दर बख्त : पार्लियामेंटरी मनिस्टर साहिबा को कोई तकलीफ हो तो बता दें क्यों मैं यह बता दूं कि कल जिस वक्त यहां डिमोस्ट्रेशन हो रहा था तो बार-बार हमसे कहा गया कि आप अपनी बात कह लीजिये । यह अब भी हो सकता है । लोकसभा एडजर्न हो चुकी है और ऐसा यहां भी हो सकता है । माफ करें । ...(**व्यवधान**)...मैं नहीं चाहता कि वह सूरतेहाल यहां पैदा हो । लेकिन हमें इसके लिये मजबूर मत करिये ।

شری سکندر بخت : پارلیمنٹری منسٹر
صاحب کو کوئی تکلیف ہو تو بتا دیں کیوں
میں یہ بتا دوں کہ کل جس وقت یہاں
ڈیموسٹریشن ہو رہا تھا تو بار بار ہم سے کہا
گیا کہ آپ اپنی بات کہہ لیجئے۔ یہ اب بھی
ہو سکتا ہے لوک سبھا ایڈجرن ہو چکی ہے
اور ایسا یہاں بھی ہو سکتا ہے۔ معاف کریں
میں نہیں چاہتا کہ وہ صورت حال یہاں
پیدا ہو لیکن ہمیں اس کے لئے مجبور
مت کریئے ۔

†[ ] Transliteration in Arabic Script,

THE DEPUTY CHAIRMAN : He is not asking clarifications.

श्री एस० एस० अहलुवालिया : आप धमकी देना चाहते हैं ? . . . (**व्यवधान**) . . .

SHRIMATI JAYANTHI NATARAJAN (TamU Nadu): So what if the Lok Sabha adjourns ?

THE "DEPUTY CHAIRMAN : Clarifications were over yesterday. I repeat again that Mr. Sikander Bakht met me in the morning and he sought my permission to say sethething and I have permitted him He is the Leader of the Opposition and he has right to say whatever he wants to lay: Let me hear him first ... *{Interruptions)* ...

SHRI SIKANDER BAKHT: Don't play tricks .. . *{Interruptions)* . ..

THE DEPUTY CHAIRMAN : Mr. Sikan. der Bakht, I have given you permission. You may want to make a statement.

SHRI SIKANDER BAKHT : What are the Congress people doing? The leader is sitting but^he is not stopping them. I cannot understand ...

THE DEPUTY CHAIRMAN : You look at the Chair. Why do you look around here and there?

श्री सिकन्दर बख्त : कल फिर जब हंगामा होगा तो फिर हम से अपील की जायेगी कि खामोशी से अपनी बात कर लीजिये । हमको बात करने का मौका ही नहीं देते । बड़ी खुशी की बात है मत दीजिये ।

شری سکندر بخت : کل پھر جب ہنگامہ
ہوگا تو پھر ہم سے اپیل کی جائے گی کہ خاموشی
سے اپنی بات کر لیجئے ۔ ہم کو بات کرنے
کا موقع ہی نہیں دیتے ۔ بڑی خوشی کی
بات ہے مت دیجئے ۔

†[ ] Transliteration in Arabic Script.

उपसभापति : आप अपनी बात कहिये । आप इधर उधर की बातें क्यों कर रहे हैं ?

श्री सिकन्दर बख्त : मैं इंटरप्शन में . . . मैं चाहता हूं कि मेरे अल्फाज महफूज रहें । मैं इस हंगामें के दरम्यान कोई गुस्से का इजहार नहीं करना चाहता । मुझे मौका दीजिये कि मैं संजीदगी के साथ जो कहना चाहता हूं वह कह सकूं । आपसे मैंने इजाजत ली है, इसलिये कि मैं कल वाली कंफियत को दोहराना नहीं चाहता हूं । लेकिन अगर मजबूर किया गया तो वह दोहराई जा सकती है, कोई तकलीफ नहीं है ।

شری سکندر بخت : میں اٹرپشن میں
نہیں چاہتا ہوں کہ میرے الفاظ محفوظ رہیں
میں اس ہنگامہ کے درمیان کوئی غصہ کا
اظہار کرنا نہیں چاہتا ہوں ۔ مجھے موقع دیجئے
کہ میں سنجیدگی کے ساتھ جو کہنا چاہتا
ہوں وہ کہہ سکوں ۔ آپ سے میں نے
اجازت لی ہے ۔ اس لئے کہ میں کل جیسی
کیفیت کو دہرانا نہیں چاہتا ہوں لیکن
اگر مجبور کیا گیا تو وہ دہرائی جا سکتی ہے
کوئی تکلیف نہیں ہے ۔

श्री एस० एस० अहलुवालिया : पहले चोरी फिर सीनाजोरी, यह वही कर रहे है । ये धमका रहे है पूरे सदन को ।

श्री सिकन्दर बख्त : चोरी और सीनाजोरी की भाषा यह तुम्हारे सिर से पांव तक बरसती है । तुम कैसे लफ्ज इस्तेमाल कर सकते हो यह मैं जानता हूं । चोरी और सीनाजोरी का लफ्ज हम लोगों का लफ्ज नहीं है । में जानता हूं कि . . . (**व्यवधान**) . . . मैं जानता हूं ।

شری سکندر بخت: چوری اور سینہ زوری کی بھاشا یہ تمہارے سر سے پاؤں تک برستی ہے تم کیسے لفظ استعمال کر سکتے ہو۔ میں جانتا ہوں چوری اور سینہ زوری کا لفظ ہم لوگوں کا لفظ نہیں ہے۔ میں جانتا ہوں کہ... "مداخلت"... میں جانتا ہوں...

उपसभापति : अहलूवालिया जी आप सुन लीजिये।

श्री सिकन्दर बख्त : सदर साहिबा, मैं अर्ज कर रहा था कि तमाम यह जो बयान है, आपका आफिशियल बयान उस पर मैं बाद में आऊंगा जो आपकी कन्क्लूडिंग आबजर्वेशन थी, जो फैक्ट इसमें आने चाहिये थे, उस सिलसिले में यह बयान बिल्कुल खामोश है। पहली एफ० आई० आर० आयी उस एफ० आई० आर० का इसी इंसीडेंस से ताल्लुक था। उस एफ० आई० आर० के आधार पर दी हुई चार्ज-शीट का हश्र क्या हुआ अदालत ने क्या किया, आपने उसका जिक्र नहीं किया। मैं आपको बता दूं कि अदालत ने कहा था कि "But they were already set free by the said magistrate at Matatila on June 10, 1993 on the ground that there was no material evidence whatsoever to substantiate the charge." यह पहली चार्ज-शीट का हश्र हुआ। उसका जिक्र इसमें आना चाहिये था। फिर यह जिक्र आना चाहिये था कि दुबारा नयी चार्ज शीट लाने की गवर्नमेंट को जरूरत क्यों पड़ी और कौन से फैक्टस हैं। जिस तरीके से आप पहले चार्ज-शीट लाये थे इसी तरह से इस चार्ज-शीट का भी वही हश्र है जो फैक्चुअली गलत है। उसमें आपने कहा है, ऊपर ही लिखा हुआ है कि "that the internees at Matatila came. They were released on bail."

बेल न किसी ने मांगी न किसी ने दी। They were released honourably without any bail or bond or anything of that sort. आपकी यह चार्जशीट गलत है। आपने अपनी चार्जशीट की गलती का अपने बयान में कोई जिक्र नहीं किया।

...(व्यवधान)...सदरसाहिबा...(व्यवधान)... कोर्ट में जो केस चल रहा है मैं उसी सिलसिले में बोल रहा हूं। आपका बयान, जो फैक्टस है, जो फैक्चुअली करेक्ट बातें है, उसके मामले में आपके बयान को खामोश नहीं होना चाहिये था।

شری سکندر بخت: صدر صاحبہ میں عرض کر رہا تھا کہ تمام یہ جو بیان ہے آپکا آفیشیل بیان اس پر میں بعد میں آؤں گا جو آپکی کنکلوڈنگ آبزرویشن تھی جو فیکٹس اس میں آنے چاہیئے تھے۔ اس سلسلے میں یہ بیان بالکل خاموش ہے۔ پہلی ایف۔ آئی۔ آر۔ آئی۔ اس ایف۔ آئی۔ آر کا اس انسیڈنس سے تعلق تھا۔ اس ایف۔ آئی۔ آر کے آدھار پر دی ہوئی چارج شیٹ کا حشر کیا ہوا۔ عدالت نے کیا کیا۔ آپ نے اس کا ذکر نہیں کیا۔ میں آپکو بتادوں کہ عدالت نے کہا تھا کہ...

یہ پہلی چارج شیٹ کا حشر ہوا۔ اس کا ذکر اس میں آنا چاہیئے تھا پھر یہ ذکر آنا چاہیئے تھا کہ دوبارہ نئی چارج شیٹ لانے کی گورنمنٹ کو ضرورت کیوں پڑی اور کون سے فیکٹس ہیں جس طرح سے آپ پہلے چارج شیٹ لائے تھے اسی طرح سے اس چارج شیٹ کا بھی حشر ہے جو فیکچوئلی غلط ہے۔ اس میں آپ نے کہا ہے اور اوپر ہی لکھا ہوا ہے کہ

††] Transliteration in Arabic Script.

بیل نہ کسی نے مانگی نہ کسی نے دی۔
آپکی یہ چارج شیٹ غلط ہے۔ آپ نے
اپنی چارج شیٹ کی غلطی کا اپنے بیان میں
کوئی ذکر نہیں کیا... "مداخلت"... صدر صاحبہ
...."مداخلت"... کورٹ میں جو کیس چل رہا
ہے میں اسی سلسلے میں بول رہا ہوں۔ آپکا
بیان جو فیکٹس ہیں۔ جو فیکچوئل کریکٹ باتیں
ہیں اس کے معاملے میں آپکے بیان کو خاموش
نہیں ہونا چاہیئے تھا۔

SHRI SURESH KALMADI (Maharastra): Let him say all these things in the court ... *(Interruptions)* ... The court can deal with it.

श्री सिकन्दर बख्त : आपने उसका जिक्र किया आपकी चार्ज-शीट की बिना पर हमारे लीडर आज वहां लखनऊ जेल में हैं, वह कैम्चुअली रांग चार्ज-शीट है, आपने अपने बयान में उसका जिक्र नहीं किया । सदर साहिबा, मैं यह भी जानना चाहता हूं कि इस बयान के अन्दर होम मिनिस्टर साहब इसका इजहार जरूर करते कि पहली चार्ज-शीट के रिजेक्ट होने के बाद दुबारा जो सी०बी०आई० की जरूरत पड़ी, नयी चार्ज-शीट लाने के लिये, उसका जस्टिफि-केशन क्या है ? आपका बयान इस मामले में बिल्कुल खामोश है । मैं यह अर्ज करना चाहूंगा एक और बात कि आपका बयान इस सिलसिले में भी खामोश है कि पहली . . . (**व्यवधान**) . . . पहली बात यह है कि एक बड़ी सुरीली सी आवाज आयी थी इसलिये खामोश हो गया ।

आप इस सिलसिले में भी खामोश है कि आप ने जो पहले समन्स का फैसला किया था . . .

شری سکندر بخت: آپنے اس کا ذکر
کیا آپکی چارج شیٹ کی بنا پر ہمارے لیڈر
آج وہاں لکھنو جیل میں ہیں۔ وہ فیکچوئلی
رانگ چارج شیٹ ہے۔ آپنے اپنے بیان
میں اس کا ذکر نہیں کیا۔ صدر صاحبہ میں یہ
بھی جاننا چاہتا ہوں کہ اس بیان کے اندر
ہوم منسٹر صاحب اس کا اظہار ضرور کرتے کہ
پہلی چارج شیٹ کے ریجکٹ ہونے کے بعد
دوبارہ جو سی۔ بی۔ آئی کی ضرورت پڑی۔ نئی
چارج شیٹ لانے کے لئے اس کا جسٹی فکیشن
کیا ہے آپ کا بیان اس معاملہ میں بالکل خاموش
ہے۔ میں یہ عرض کرنا چاہوں گا ایک اور بات
کہ آپکا بیان اس سلسلہ میں بھی خاموش ہے
کہ پہلی ..."مداخلت"... پہلی بات یہ ہے کہ

بڑی سُریلی سی آواز آئی تھی۔ اس لئے
خاموش ہو گیا۔
آپ اس سلسلہ میں بھی خاموش ہیں
آپ نے جو پہلے سمنس کا فیصلہ کیا تھا۔

इलेक्शन के बाद तक समंस को विदहेल्ड करने का क्या मकसद था? अगर 7 दिसम्बर की तारीख ही रखनी थी तो मैं जानता हूं कि आप अगर एक महीने तक इंतजार कर सकते थे तो इस सब को खत्म होने तक आप चार्जशीट क्यों नहीं पेश कर सकते थे । सदर साहेबा, चौथी बात मैं यह कहना चाहता हूं कि 7 दिसम्बर में कौन सी पॉलिटिकल

†[ ] Transliteration in Arabic Script.

बात थी कि आपने आनरेबल मैम्बर्ज आफ दिस हाऊस एंड अदर हाऊस को ओब्स्ट्रक्ट किया कि वे पार्लियामैंटरी एक्टीविटीज में हिस्सा न ले सके ? सदर साहेबा, मैं जानना चाहता हूं कि यह टाइमिंग्स मेरी समझ में नहीं आ रहा है इसमें कौन-कौन से पोलिटिक्ल माइलेज निकालना चाहते थे ? मैं यह जानना चाहता था कि इसके टाइमिंग्ज का क्या मकसद हो सकता है ...(**व्यवधान**)...

श्री सुरेश कलमाडी पोलिटिक्ल माइलेज तो आप ...(**व्यवधान**)...

SHRI VITHALRAO MADHAVRAO JADHAV (Maharashtra): They rejected bail to get political mileage. They don't want to come out ... *(Interruptions)* ...

श्री सिकन्दर बख्त : अब मैं कुछ बातें अर्ज करना चाहता हूं जो हमारे आनरेबल मैम्बर ने आखिर में ओब्जरवेशन किया है। बड़ी दिलचस्प बात करते है ..(**व्यवधान**)..शुरू में होम मिनिस्टर साहब ने आर्गुमेंटीकेट किया है कि बेल एप्लीकेशन की क्यों जरूरत पड़ी, क्यों नहीं पड़ी। इसका पर्टिनेंट स्टेटमेंट जहां कहा गया है कि --

"The Court passed orders for furnishing of Sureties/personal bonds in respect of the summoned accused persons."

इसमे आगे चलकर कहा गया है--सदर साहेबा

the Court do or should not do.
the release of the accused persons on baa."

मैं पूछना चाहता हूं कि उसके बाद होम मिनिस्टर साहब का यह कहना..(**व्यवधान**)..यह भी कहा गया है। सदर साहेबा, मैं यह कहना चाहता हूं कि हमारे होम मिनिस्टर साहब ने कहा है कि

"I cannot authenticate the facts relating to this. Actually I don't know."

तब कहा गया जब मिश्रा जी से पूछा।

"This was announced much earlier that they would not take bail."

यह कहते है कि

"Actually I don't know. I won't be able to authenticate the same."

It means you are not authenticating your own statement. You have made a positive statement about the bail business. Here you say, "I don't know and I cannot authenticate."

सदर साहेबा, बेल एप्लीकेशन का जिक्र किया है पेज 885 पर, वह कहते हैं --

"I thought that the debate was going to be confined only to the case on the question of bail application."

You are talking about a non-existing thing. Nobody has ever even uttered a word about bail application. From where these words come ? Bail application is a non-existing thing.

कहां से लाए हैं आप ? किसी ने कभी भी बेल या बांड के सिलसिले में अपनी ख्वाहिश जाहिर नहीं की, मांगी नहीं। वह लोग माता टीले से वगैर बेल के रिलीज हुए, अनकंडीशनली रिलीज हुए और आपने यह कह दिया, जरा सेंटेंसेज की कंस्ट्रक्शन मुलाहिजा फरमाएं--

"I thought that the debate was going to be confined to the case on the question of bail application."

From where the concept of bail application has come? You are talking about a non-existing thing.

सदर साहेबा, मेरा इल्जाम यह है कि हमारी सरकार जो गवर्नमेंटल इंस्टीट्यूशंस है उसका नाजायज इस्तेमाल कर रहीं है। सी०बी०आई० का इस्तेमाल हमने देखा था कि एक टॉप-मोस्ट फिक्शनरी को इस्केप रूट तलाश करने के लिए सी० बी०आई० ने अपने हदूद के बाहर जा कर के उसके लिए इस्केप रूटस निकाले। आज की सी०बी०आई० की इतनी कच्ची चार्जशीट जाहिर करती है कि जिसको कोर्ट को इसी बात पर रिजेक्ट कर देना चाहिये था कि यह फैक्चुयल इनकरेक्ट है ...(**व्यवधान**)...

SHRI SURESH KALMADI: How can he say about courts ? It should be expunged. How can he say what the court should do ? He should apologize for that and it should be expunged.

श्री राम नरेश यादव (उत्तर प्रदेश) सवाल यह है कि बेल मांगी थी . . . . (**व्यवधान**) . . .

THE DEPUTY CHAIRMAN : I understood.

SHRI SURESH KALMADI : I dunk, it should be expunged. He cannot say what the Court should do or should not do.

THE DEPUTY CHAIRMAN : I followed. You please sit down.

श्री सिकन्दर बख्त : सदर साहिबा मैं ने कल अर्ज किया था . . . **व्यवधान**

सदर साहिबा, ये लोग गलत केसेज फैब्रीकेट करके अपने पोलिटिकल आपोनेंट्स को . . .

†मैंने तो दर्दी दिल" शरी सिकन्दर बख्त: सदर साहिबा मैंने कल अर्ज किया था सदर साहिबा ये लोग गलत केसेज फैब्रीकेट करके अपने पोलिटिकल आपोनेंट्स को . . .

उपसभापति : सिकन्दर बख्त साहब, जहां तक केसेज बनाने का ताल्लुक है . . . (**व्यवधान**) . . . एक सेकेंड . . . आप सरकार पर जो कुछ टिप्पणी कर रहे थे वह आप आपोजिशन के लीडर हैं, आपको अख्तियार है आप जो चाहें कहें, मगर कोर्ट के बारे में मेहरबानी करके कुछ न कहें ।

श्री सिकन्दर बख्त : सदर साहिबा, हम कह चुके है । . . .

शरी सिकन्दर बख्त: सदर साहिबा हम कह चुके हैं . . .

This Government is getting uglier day by day.

उपसभापति । एक मिनट । जरा मुझे बात कर लेने दीजिए Let me hear so that there is no confusion. Let me clarify.

कोई चीज . . (**व्यवधान**) . . कौन-से मिनिस्टर है जो खड़े थे What I am saying कि कोई ऐसी बात न हो कि जुडीशियरी के खिलाफ कुछ हमारे हाउस से जाए ।

श्री सिकन्दर बख्त : बिल्कुल मानता हूं और यह भी कह देना चाहता हूं कि हम किसी कोर्ट के प्रोसेस में रुकावट नहीं डालना चाहते है—बिल्कुल लेकिन . . . (**व्यवधान**) . . .

शरी सिकन्दर बख्त: बालकल मानता हूं और यह भी कह देना चाहता हूं कि हम किसी कोर्ट के प्रोसेस में रुकावट नहीं डालना चाहते हैं—बिल्कुल लेकिन . . .

SHRI SURESH KALMADI ; Madam, you should expunge it. He should withdraw that word.

श्री एस०एस० अहलुवालिया : सर्वोच्च न्यायलय में अफीडेविट देकर ये मुकर गये . . . (**व्यवधान**) . . . क्या बात करते है . . . (**व्यवधान** . . .

श्री सिकन्दर बख्त : मेरा ऐतराज सदर साहिबा यह था कि होम मिनिस्टर साहब ने अपने बयान के अंदर इसका जिक्र क्यों नहीं किया और गवर्नमेंट की लेविल पर इससे पहले कि चार्जशीट फाइल होती, गवर्नमेंट को खुद सतर्क होना चाहिए था। मेरा कहना यह है कि . . . (**व्यवधान**) . . .

शरी सिकन्दर बख्त: मेरा ऐतराज सदर साहिबा यह था कि होम मिनिस्टर साहब ने अपने बयान के अंदर इसका जिक्र क्यों नहीं किया।

†[ ] Transliteration in Arabic Script.

اور گورنمنٹ کے لیول پر اس سے پہلے کی چارج شیٹ فائل ہوتی گورنمنٹ کو خود شریک ہونا چاہیئے تھا۔ میرا کہنا ہے کہ ..."مداخلت"...

श्री एस० एस० अहलुवालिया : ये अपने अल्फाज वापस ले . . . **(व्यवधान)** . . .

SHRI DEPUTY CHAIRMAN : I will look into the record.

SHRI SURESH KALMADI : He has to apologise . . . *(Interruptions)* . . .

SHRI SIKANDER BAKHT: Okay, it is not going to make any difference.

I have never meant the court. Okay, I apologise. . .. *(Interruptions)* . .. Okay, sit down now.

उसमें कोई फर्क नहीं है । मेरा कोर्ट से कोई ताल्लुक नहीं है . . . (व्यवधान) . . .

I have done it now. Don't try to impress your friends elsewhere.

اس میں کوئی فرق نہیں ہے میرا کورٹ سے کوئی تعلق نہیں ہے..."مداخلت"...

मैं यह कहना चाह रहा हूं कि मैं कोर्ट के बारे में न कुछ कहना चाहता हूं न कोर्ट के मामलात में कुछ रूकावट डालना चाहता हूं, न मेरे साथी जो इस वक्त लखनऊ जेल में है वे कोर्ट के मामलात में कोई रूकावट डालना चाहते है । लेकिन सी०बी०आई० की चार्जशीट फाइल होने से पहले गवर्नमेंट को आंखें खोलनी चाहिएं थीं, गवर्नमेंट को यह देखना चाहिए था कि यह चार्जशीट फैक्चुअली दुरुस्त है या गलत है । लेकिन सदर साहिबा अलफारेचुनेटली, आंखें बंद करके फेब्रीकेटेड केसेज पोलिटिकल आपोनेंट्स को दबाने के लिए करने पर यह सरकार उतरी हुई है, तुली हुई है । बदकिस्मती से यह जो होम मिनिस्टर साहब का स्टेटमेंट है . . . (व्यवधानम) . . .

†[ ] Transliteration in Arabic Script,

شری سکندر بخت: میں یہ کہنا چاہتا ہوں کہ میں کورٹ کے بارے میں نہ کچھ کہنا چاہتا ہوں اور نہ کورٹ کے معاملات میں کچھ رکاوٹ ڈالنا چاہتا ہوں۔ نہ میرے ساتھ جو اس وقت لکھنؤ جیل میں ہیں وہ کورٹ کے معاملات میں کوئی رکاوٹ ڈالنا چاہتے ہیں۔ لیکن سی۔ بی۔ آئی کی چارج شیٹ فائل ہونے سے پہلے گورنمنٹ کو آنکھیں کھولنی چاہیئے تھیں۔ گورنمنٹ کو یہ دیکھنا چاہیئے تھا کہ وہ چارج شیٹ فیکچوولی درست ہے یا غلط ہے۔ لیکن صدر صاحبہ الفار چونیٹلی آنکھیں بند کر کے فیبری کیٹڈ کیسز پولیٹیکل اپونینٹس کو دبانے کے لئے کرنے پر یہ سرکار اتری ہوئی ہے۔ بدقسمتی سے یہ جو ہوم منسٹر صاحب کا اسٹیٹمنٹ ہے..."مداخلت"...

वित्त मंत्रालय में राज्य मंत्री और संसदीय कार्य मंत्रालय में राज्य मंत्री (डा० अबरार अहमद) : मैडम, मैं आपके जरिये से इतना कहना चाहता हूं कि जहां आप फेब्रीकेटेड केसेज की बात कर रहे हैं और बेल की बात कर रहे हैं अभी सिर्फ इतना मसला था कि इन नेताओं से जमानत

की बात कही गयी, मैं माननीय सिकन्दर बख्त को याद दिलाना चाहता हूं कि जब आप कांबिना मंत्री थे, कैबिनेट मिनिस्टर, इंदिरा जी को गिरफ्तार किया गया था। उन्होंने कभी भी अपने-आपको कानून से ऊपर नहीं समझा। मैजिस्ट्रेट के सामने गयी थीं और जमानत देकर छूटी थीं। अभी जिस जमानत के लिए इन नेताओं को कहा गया तो ये अपने आपको कानून से ऊपर क्यों समझते हैं, क्यों नहीं जमानत देकर बाहर आते है। अपने आपको कोर्ट से ऊपर क्यों समझते है, मैजिस्ट्रेट के ऊपर क्यों समझते हैं ...(**व्यवधान**)... कोर्ट फैसला कर देगा कि सभी क्या है गलत क्या है ...(**व्यवधान**)... आप कांबिना मंत्री थे जब इंदिराजी को गिरफ्तार किया गया। मैजिस्ट्रेट के सामने गयीं और जमानत देकर बाहर आईं। सिर्फ जमानत की बात पर इस तरह की बात कहना और कानून से अपने आपको ऊपर नहीं समझना चाहिए।

श्री सिकन्दर बख्त : सदर साहिबा...

†شری سکندر بخت : صدر صاحبہ

SHRI P. UPENDA (Andhra Pradesh): Madam, I am on a point of order.

श्री मोहम्मद अफजल उर्फ मीम अफजल : मैरा प्वाईंट आफ आर्डर है...(**व्यवधान**)...

मैडम, कल होम मिनिस्टर का एक स्टेटमेंट यहां पर हुआ। उसमें क्लैरीफिकेशन पूछे गये। इत्तिफाक से भारतीय जनता पार्टी के लोगों के साथ-साथ हमारे जनता दल के भी कोई मेम्बर यहां नहीं थे...

†[ ] Transliteration in Arabic Script.

شری محمد افضل عرف م۔ افضل: میرا پوائنٹ آف آرڈر ہے... "مداخلت"... میڈم۔ کل ہوم منسٹر کا ایک اسٹیٹمنٹ یہاں پہ۔ اس میں کلیری فکیشنس پوچھے گئے۔ اتفاق سے بھارتیہ جنتا پارٹی کے لوگوں کے ساتھ ہمارے جنتا [illegible] ممبر یہاں نہیں تھے...

THE DEPUTY CHAIRMAN : I want to clarify that this is not a clarification.

SHRI MOHAMMED AFZAL alias MEEM AFZAL : He is again and again referring to the statement of the Home Minister.

یہ ایک نئی پرمپرا ہاؤس میں شروع ہو رہی ہے ...

شری محمد افضل عرف م۔ افضل: یہ ایک نئی پرمپرا ہاؤس میں شروع ہو رہی ہے

THE DEPUTY CHAIRMAN : There is no parampara.

श्री मोहम्मद अफजल उर्फ मीम अफजल : कि स्टेटमेंट के बाद दूसरे ग्रुप के...(**व्यवधान**) के लीडर उसमें क्लैरीफिकेशन कर रहे है ...(**व्यवधान**)...

شری محمد افضل عرف م۔ افضل: کہ اسٹیٹمنٹ کے بعد دوسرے گروپس کے "مداخلت"... کے لیڈرس اس میں کلیرفکیشن کر رہے ہیں... "مداخلت"...

श्री सिकन्दर बख्त : सदर साहिबा, मैं यह बहुत सारी वे बातें नहीं करना चाहता हूं जो फ्लोर आफ द हाउस पर नहीं हुई हैं। मैं यहां यह कहना चाह रहा हूं . . . **(व्यवधान)** . . .

شری سکندر بخت: صدر صاحبہ میں
یہاں بہت ساری وہ باتیں نہیں کرنا چاہتا
ہوں جو فلور آف دی ہاؤس نہیں ہوئی ہیں
میں یہاں یہ کہنا چاہ رہا ہوں ... مداخلت ...

THE DEPUTY CHAIRMAN : Let m« clarify. There is no clarification that Mr. Sikander Bakhat is asking. And I would not oblige the Minister to answer if he does not want to. The clarifications on the statement which the Home Minister made yesterday are over and closed and finished. Mr. Sikander Bakht, I repeat, as the Leader of the Opposition, requested me today to allow him to make some comments which I have permitted him as the Leader of the Opposition. He has a right to say something. Still the Home Minister is not obliged. If he wants to speak, it is up to him. If he does not want to speak, I am going to force him.

श्री सिकन्दर बख्त : सदर साहिबा, इंटरवेंशन हुआ है यहां पार्लियामेंटरी अफेयर्स के मिनिस्टर का . . . **(व्यवधान)** . . . सदर साहिबा . . . **(व्यवधान)** . . .

شری سکندر بخت: صدر صاحبہ انٹروشن
ہوا ہے یہاں پارلیمنٹری افیئرس کے منسٹر
کا ... "مداخلت" ... صدر صاحبہ ... مداخلت ...

SHRI P. UPENDRA : Madam, I want to raise a point of order.

THE DEPUTY CHAIRMAN: Let him finish.

श्री सत्य प्रकाश मालवीय (उत्तर प्रदेश) : महोदया, इससे संबंधित है। क्या इस सदन में प्रधान मंत्री की कुर्सी पर कोई दूसरा व्यक्ति बैठ सकता है? क्या आप व्यवस्था देंगी?

उपसभापति : यह बड़ी खुशी की बात है कि प्रधान मंत्री की कुर्सी अगर राज्य सभा में जाती तो बहुत अच्छा था। लेकिन वह तो लोक सभा से हमारे आते हैं।

SHRI P. UPENDRA : Madam, I want to raise a point of order.

THE DEPUTY CHAIRMAN : What is your point of order?

SHRI P. UPENDRA : Let him finish. After that, you can permit me.

THE DEPUTY CHAIRMAN: I won't permit a point of order after he finishes. If you want to raise a point of order, you raise it now and I will clarify.

SHRI P. UPENDRA: Yesterday, the Home Minister made a statement at 5 P.M. Generally, when such important statements are made, Members are informed in advance by a circular or through the T.V. or by an announcement from the Chair that such and such Minister is going to make a statement. At 3 P.M., when I was going for a Standing Committee meeting, I asked the Se,cretary-General whether" any statement was coming. The Secretary-General said 'No' To doubly confirm it, I went to the Home Minister and asked him;' He said that the matter was closed in the morning and that since the B.J.P. Members were not attending, he was not going to make any statement.- In spite of that, at 5 P.M., he made a statement depriving many of us the opportunity to seek clarifications. I gave a. notice to you yesterday morning itself that I wanted to raise this issue yesterday. You neither called "my name nor you gave me an opportunity to seek clarifications. This is very unfair.

†[]Transliteration in Arabic Script.

THE DEPUTY CHAIRMAN : You do not question me. *{Interruptions).*

You have been the Parliamentary Affairs Minister. *(Interruptions).*

SHRI P. UPENDRA : I have always done it. *(Interruptions).*

Notice used to be given. *(Interruptions).* How could the Home Minister make a statement, when they were all absent, like a * *(Interruptions).*

THE LEADER OF THE HOUSE (SHRI S. B. CHAVAN) : Mr. Upendra, you must withdraw this word. You cannot say like this. ... (Interruptions) it is highly objectionable. You have been the Parliamentary Affairs Minister. *(Interruptions).*

THE DEPUTY CHAIRMAN : Mr. Upendra, such words are not used in Parliament. Please withdraw (lie word. *(Interruptions).*

If you do not withdraw, I will expunge it in any case. *{Interruptions).*

SHRI SIKANDER BAKHT : He promised that there would not be any statement. If there is a contradiction, what does the Member do ? *(Interruptions).*

SHRI V. NARAYANASAMY : Madam, he must withdraw this word. He cannot use such a harah word *(Interruptions)*

THE DEPUTY CHAIRMAN : Mr. Upendra, the word which you have used as unparliamentary. You please withdraw it. *(Interruptions)* You withdraw it.

SHRI P. UPENDRA : No.

THE DEPUTY CHAIRMAN : If you do not withdraw *it. I* will expunce it. *(Intcrriin tions).* It is not becoming of you. As far as the statement is concerned, as a Parliamentary Affairs Minister earlier, you know the Government has a right to come before the House during the Session any time. *(Interruptions).* lust listen. Don't get agitated. We were informed. The Secretary-General brought to me the matter. The moment we got the intimation, it was put on the television.

SHRI P. UPENDRA : Ten minutes be fore.

THE DEPUTY CHAIRMAN : Whatever time.

SHRI V. NARAYANSAMY : It does not matter whether it is five minutes or ten minutes. *(Interruptions).*

THE DEPUTY CHAIRMAN : There is no specification of time. At any time, the Government or the Secretariat could inform. The moment we were informed, the Secretariat was informed, we immediately put it on the television. You can see my signature on it that it should be put on the television and announced.

SHRI SIKANDER BAKHT: Madam, is there a provision for misinformation ? *(Interruptions).*

SHRI S. S. AHLUWALIA : He cannot use such a word. He must withdraw it. *(Interrutpions).*

THE DEPUTY CHAIRMAN : Mr. Upendra. please withdraw it. It is unbecoming of you to use such a word. *(Internjp-tions).* He is not only a Minister. He is the Leader of the House. I would not permit. *(Interruptions).*

SHRI P. UPENDRA : Let him first apologise. Then I will withdraw. *(Interruptions).*

THE DEPUTY CHAIRMAN : Will you stop for a minute ? Just one minute, please. Go back. Go back to your seat.

SHRI P. UPENDRA : If he apologises for misleading the House, I will withdraw.

THE DEPUTY CHAIRMAN:

एक मिनिट चुप रहिए । एक मिनिट चुप होमे प्लीज ।

Did the Home Minister make the statement on the floor of the House that he was not going to make a statement in the House? No. *(Interruptions).*

*Expunged as ordered by the Chair.

SHRI P. UPENDRA : He misled me. let him first deny that, then I will with-

उपसभापति : प्लीज जरा चुप रहिए, सिकन्दर बख्त साहब, जरा खामोश रहिए प्लीज !

Just one minute. One minute, please. Please go back. 3f jq- ^ftq =pq- ^rr | *(interruptions).* आप लोग चुप नहीं रह सकते ?

I will do it, no problem. *(Interruptions).* It is not giong on record. He should apologise. Let me be heard, please. *{Interruptions).*

Order in the House, please. The Home Minister did not make any statement saying that he was making a statement or not, making a statement. So, you cannot hold him responsible. *(Interruptions).* At any point of time the Government can take a decision to come before the House. *(Interruptions).*

SHRI P.. UPENDRA : Let him deny. Then I will withdraw my word. *(Interruptions).*

SHRIJAGDISH PRASAD MATHUR: 1 request Upendraji to kindly withdraw the word. He used the word to make his point. That is enough.' In the heat of the moment he used an unparliamentary word. I request him to withdraw it. *(Interruptions).*

THE DEPUTY CHAIRMAN : Mr. Upendra, one thing is very clear that the Home Minister, the Leader of the House, did not make any. statement in the House that he was not going to make any statement. Whatever he told you or did not tell you, the House is not responsible for it. Whatever' you want to tell him, you can tell him in the Lobby. You cannot say such words to the Leader of the House. You withdraw the word and apologise. Whatever you like to do, do it but not in the House. *(Interruptions).*

You say sorry. You get up and say sorry,

SHRI P. UPENDRA: Why I say sorry ? I withdraw it here and I will say. it outside.

THE DEPUTY CHAIRMAN, : You get up and say sorry. *(Interruptions).*

SHRI V. NARAYANASAMY : He should apologise.

SHRI SURESH KALMADI : Madam, this is no withdrawal. Hie should apologise. He should withdraw it unconditionally, He cannot .say it outside.

SHRI S. S. AHLUWALIA: It should be unconditional withdrawal.

SHRI SIKANDER BAKHT :

यह कहना कि यहाँ हाउस में नहीं कहा गया है that direct allegation has been made by the hon. Member that he, was. misled by the Home Minister. *(Interruptions).*

THE DEPUTY CHAIRMAN: He did not say "misled", he used another word; *(Interruptions).*

उन्होंने* बोला है और यह गलत है । होम मिनिस्टर ने मेरे सामने या किसी के सामने कोई ऐसी बात नहीं कही थी।

I am here sitting and hearing every word, He did not say that.

श्री सिकन्दर बख्त : सदर साहिबा, मैं अर्ज कर रहा था कि, मैं अपनी बात खत्म करने वाला था कि ऑनरेबल मिनिस्टर ऑफ पालियामेंटरी अफेयर्स ने इंटरवीन किया।

SHRI SURESH, &ALMADJ,: He has to unconditionally withdraw the words, Madam, Otherwise, we are. not going ahead with the proceedings. . .. *(Interruptions)* ...

THE DEPUTY CHAIRMAN: Withdraw. Apologize and withdraw.

. . . *(Interruptions)* . ..

SHRI P. UPENDRA: I have withdrawn here. I will say. the. same thing outside.

*Expunged as ordered by the Chair.

THE DEPUTY CHAIRMAN : No, no. I don't know what you do outside. No conditional thing. I won't allow any conditional thing. ... *(Intemptttom)* ... I am not allowing any conditional thing.

श्री एस० एस० अहलुवालिया : : महोदया, वह कहते हैं—मैं यहां वापस लेता हूं और बाहर बोलूंगा। यह क्या तमाशा है ?

SHR SUBRAMANIAN SWAMY : How can he say here what he is going to say outside?

THE DEPUTY CHAIRMAN : I don't permit anything of what happens outside. What you talk to people, what you do in your house, it is not discussed here. What you talk to anybody, I will not permit it. I will not ask even for your apology for that. But you said something in the House and you made a charge against the Leader of tile House that he never mentioned at any point of time yesterday—and most of the time I was in the Chair.

SHRI P. UPENDRA: Is he denying? Let him deny.

THE DEPUTY CHAIRMAN : I am not permitting, Mr. Upendra, no.

... (Interruptonis) ...

SHRIMATI MARGARET ALVA: Madam, can you give me a chance ?

... (Interruptions) ...

श्री मोहम्मद अफजल उर्फ मीम अफजल : मैडम एक मिनट। ... (व्यवधान)

شری سکندر بخت : میڈم ایک منٹ ... "مداخلت" ...

श्री सिकन्दर बख्त : सदर साहिबा, मैं अपनी बात क्लेरीफाई करना चाहता हूं। ... (व्यवधान)

شری سکندر بخت : صدر صاحبہ۔ میں اپنی بات کلیرفائی کرنا چاہتا ہوں۔ ... "مداخلت" ...

SOME HON. MEMBERS: NO.

SHRI SIKANDER BAKHT: What do you mean by "No" ? We can also say "No"

.. . (Interruptions) . . .

आप हमें मजबूर मत कीजिए। ... (व्यवधान) ... मजबूर मत कीजिए .. (व्यवधान) .. "नो", हम भी कह सकते हैं।

شری سکندر بخت : آپ ہمیں مجبور مت کیجئے ... "مداخلت" ... مجبور مت کیجئے ... "مداخلت" ... تو ہم بھی کہہ سکتے ہیں

SHRI JAGESH DESAI (MAHARASHTRA) : Madam, I want to say something. Mr. Upendra made a remark ... *(Interruptions)* ...

श्री विष्णु कान्त शास्त्री (उत्तर प्रदेश) : उनके विदड्रा करने के बाद क्यों खड़े हैं आप ? ... (व्यवधान) ...

श्री सिकन्दर बख्त : वह उन्होंने विदड्रा कर लिया है। अब क्यों खड़े है ? ... (व्यवधान) ...

شری سکندر بخت : وہ انہوں نے ڈراکر لیا ہے۔ اب کیوں کھڑے ہیں "مداخلت"

श्री एस० एस० अहलुवालिया : कहां विदड्रा किया है ? ... (व्यवधान) ...

SHRI SIKANDER BAKHT: What happened to you ? At least don't involve yourselves in this. Go and sit in your seats. . . . *(Interruptions) . ..*

SHRI SURESH KALMADI : Mr. Sikander Bakht, it is very surprising that your party . . . *(Interruptions)* . ..

SHRI V. NARAYANASAMY : Your party is hoding a brief for Mr. Upendra.

श्री मोहम्मद अफजल उर्फ मीम अफजल : मैडम, एक मिनट । मैं अपनी कुछ बात कहना चाहता हूं। . . . **(व्यवधान)** . . .

†شری سکندر بخت: میڈم، ایک منٹ
میں اپنی کچھ بات کہنا چاہتا ہوں... مداخلت...

श्री सिकन्दर बख्त : चाहते क्या हैं यह लोग . . . **(व्यवधान)** . . . सदर साहिबा, चाहते क्या है यह ? ...**(व्यवधान)** यह मेरी कोई जिम्मेदारी नहीं है, वह आप बात करें . . . **(व्यवधान)** . . . लेकिन, जो ओब्जेकशनेबल लफ्ज़ कहा था, उसको विदड्रा कर लिया है।

†شری سکندر بخت: چاہتے کیا ہیں یہ لوگ ... مداخلت... صدر صاحبہ، چاہتے کیا ہیں یہ۔ یہ میری کوئی ذمہ داری نہیں ہے وہ آپ بات کریں ... "مداخلت"... لیکن جو آبجیکشن لفظ کہا تھا اس کو وڈرا کر لیا ہے۔

उपसभापति : विदड्रा नहीं किया है।

SHRI V. NARAYANASAMY: He should withdraw and apologize to the House.

SHRIMATI JAYANTHI NATARAJAN : He should withdraw from the House first.

श्री सिकन्दर बख्त : देखिए, सदर साहिबा कहां से हुकुम आ रहे है, मुलाहिजा फरमाए । . . . **(व्यवधान)** . . .

†شری سکندر بخت: دیکھئے صدر صاحبہ کہاں سے حکم آرہے ہیں۔ ملاحظہ فرمائیے۔ ... "مداخلت"...

श्री राम नरेश यादव : महोदय, लीडर आफ द हाऊस . . . **(व्यवधान)** . . .

श्री सिकन्दर बख्त : वह कोई मतलब नहीं हुआ चाहे जो खड़ा हो जाए और कहे—"लीव द हाऊस"।

†شری سکندر بخت: وہ کوئی مطلب نہیں ہوا چاہے جو کھڑا ہو جائے اور کہے "لیو دی ہاؤس"۔

Who are these people to demand some Member to leave this House ? How can they ask a Member to leave the House ? ... *(Interruptions)* ... You cannot ask a Member to leave the House . . . *(Interruptions)* ... Who are these people ? ... *(interruptions)* ... No, you can't. .. . *(Interruptions)* ...

क्या मतलब हुआ इसका ?

How can they ask a Member to leave the House ?

SHRI V. NARAYANASAMY: This is very serious.

श्री सिकन्दर बख्त : आप आसमान पर पेज मत रखिए, पहुंचेगे नहीं आपके पंजे । . . . **(व्यवधान)** . . .

†شری سکندر بخت: آپ آسمان پر پیج مت رکھئے۔ پہنچیں گے نہیں آپکے پنجے... مداخلت...

†[ ] Transliteration in Arabic Script,

श्रीमती सुषमा स्वराज (हरियाणा) : क्या डिसक्रिमिनेशन है यह? . . . **(व्यवधान)** . . .

THE DEPUTY CHAIRMAN : My discretion is that I give respect to the Leader of the Opposition, and I give more respect to the Leader of the House. ... *{Interruption)* ... Please keep quiet. The Leader of the House has never at any point of time, before me or in the House, said.

श्री विष्णु कान्त शास्त्री : उन्हें अपनी बात पूरी कहने दीजिए। . . . **(व्यवधान)** . . . उधर से खड़े हो जाते हैं। . . . **(व्यवधान)** . . .

THE DEPUTY CHAIRMAN . Don't interrupt me, please. Don't worry about it; they are not disturbing me.

(व्यवधान) . .

आप चुप रहिए। आप उनको खड़ा रहने दीजिए।

श्री विष्णुकान्त शास्त्री : आप पहले उनको बैठने को कहिए।

उपसभापति : आप बोलिए मत। आपको कोई तकलीफ नहीं होनी चाहिए। मुझे खुद है, मैं व्यवस्था करूंगी। आप चुप रहिए। ... **(व्यवधान)** .. आप खामोश रहिए, प्लीज। ... **(व्यवधान)** .. आप भी कल खड़े रहे थे, इसलिए खड़े रहने की बात मत करिए मुझसे। . . . **(व्यवधान)** . . .

Don't talk about *khade rahne ki beat.* It is better you forget it.

देखिए, खड़े रहने और वैसे की बात तो मेहरबानी करके कोई न करे तो बेहतर है, बहुत सी बातें खुलेंगी। सवाल यह है कि अगर मैं लीडर आफ दी अपोजिशन को इजाजत दे रही हूं, मैंने मना किया सबको कि उनको डिस्टर्ब न करें, इसी तरह से लीडर आफ दि हाउस की इज्जत है और ज्यादा है क्योंकि वे लीडर आफ दि हाउस है और होम मिनिस्टर है। हाउस के अंदर .. **(व्यवधान)** .. एक मिनट प्लीज। हाउस के अंदर उन्होंने कोई ऐसा कमिटमेंट नहीं दिया था। सरकार को हक है कि अगर हाउस चल रहा है तो किसी भी वक्त आकर वे कोई भी स्टेटमेंट दे सकते हैं। यह हमने प्रथा बनाई है कि हम पहले से इन्फार्म कर देते हैं और कल भी हमें जैसे ही पता लगा, हमने इन्फार्म किया। कल जब आप लोग यहां खड़े थे तो मैंने खुद चेयर से कहा था कि मैं होममिनिस्टर साहब से स्टेटमेंट आप कहें तो दिला सकती हूं, आप जाइए और इसीलिए हो सकता है होम मिनिस्टर यहां आएं और उन्होंने स्टेटमेंट दिया और जो कुछ मिस्टर उपेन्द्र ने कहा, वह बहुत अॉन्जेअनेबल है, उनको यह बात हाउस में नहीं कहनी चाहिए। . . . **(व्यवधान)** . . .

SHRIMATI JAYANTHI NATARAJAN•": Madam, he should'be.named. We move a resolution . . . *{Interruptions)*

डा० अबरार अहमद : यहां खड़े होकर के कहा था। . . . **(व्यवधान)** . . .

उपसभापति : अगर आप लीडर आफ दि हाउस की इज्जत नहीं करेंगे सिकन्दर बख्त साहब और आप सब मैम्बर तो आपकी भी इज्जत संभालना मेरी जिम्मेदारी से मुश्किल हो जाएगा।

श्री सिकन्दर बख्त : सदर साहिबा, मैंने जो लफ्ज आनरेबल मैम्बर से कहा था उसकी हिमायत नहीं की है, वापिस आना चाहिए। **(व्यवधान)**.

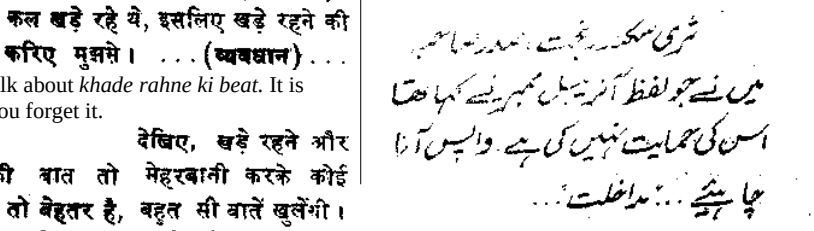

SHRI P. UPENDRA : Madam, will you allow me to say something ? you have said something. . . . *(Interruptions)*

SHRI V. NANAYANASAMY : Let him apologise to this House.

SHRI S. S. AHLUWALIA : Not one word do we want to hear from the Member . . . *(Interruptions)*

SHRIMATI JAYANTHI NATARAJAN : We don't want to hear him. . .. *(Interruptions)* . . .

श्री सिकन्दर बख्त : सदर साहिबा, मेरा पाइंट आफ आर्डर . . . (**व्यवधान**) . . . अगर आप लीडर आफ दि हाउस की इज्जत नहीं करेंगे . . . (**व्यवधान**) . . . मैं यह जानना चाहता हूं . . . (**व्यवधान**) . . .

شری سکندر بخت: صدر صاحبہ میرا پوائنٹ آف آرڈر ... مداخلت ... اگر آپ لیڈر آف دی ہاؤس کی عزت نہیں کریں گی ... مداخلت ... میں یہ جاننا چاہتا ہوں ... مداخلت ...

उपसभापति : मैंने यह कहा कि पूरा हाउस और मैं भी उसमें इन्क्लूड हूं, अगर हम लीडर आफ दि हाउस, लीडर आफ दि अपोजीशन और दूसरे लोगों की, एक-दूसरे की इज्जत नहीं करेंगे तो यह हाउस चलना मुश्किल हो जाएगा । कुछ प्रथाएं हैं, हमें उनको कायम रखना चाहिए । मैं सिर्फ यहां बैठा हूं इसको चलाने के लिए, यह जिम्मेदारी आप सब लोगों की भी है । . . . (**व्यवधान**) . . .

SHRI P. UPENDRA : Madam, will you allow me to say something ?

श्री सिकन्दर बख्त : आपकी बात की सौ फीसदी ताइद है कि हमें हर मैम्बर की, लीडर आफ दि हाउस का तो कहना क्या है, हर मैम्बर का एहतराम और इज्जत करनी चाहिए । . . . (**व्यवधान**) . . .

شری سکندر بخت: آپ کی بات کی سو فیصدی تائید کرتا ہوں کہ ہمیں ہر ممبر کی ... لیڈر آف دی ہاؤس کا تو کہنا ہی کیا ہے ہر ممبر کا احترام اور عزت کرنی چاہئے ... مداخلت ...

उपसभापति : आप माफी मांग रहे है क्या ?

SHRI P. UPENDRA : I want to say something.

SHRI S. S. AHLUWALIA : No speaking. He should apologise. That is all ... *(Interruptions)*

SHRI V. NARAYANASAMY : Unless you apologise, we will not allow you to speak. . . . *(Interruptions)*

SHRIMATI JAYANTHI NATARAR-JAN : Please name him, Madam. Please name him . .. *(Interruptions)*

SHRI P. UPENDRA : Madam, I want to say something.

THE DEPUTY CHAIRMAN : Unconditional apology.

SHRI P. UPENDRA : No, no, no I want to say something.

श्री सिकन्दर बख्त : सदर साहिबा, एक तो मेरी दरख्वास्त यह है कि बजाए अपना हुक्म सादिर करने के वे हुक्म आपसे लेंगे । . . . (**व्यव-धान**) . . . अपने आप हुक्म सादिर न फरमाएं । . . . (**व्यवधान**) . . .

شری سکندر بخت: صدر صاحبہ ایک تو میری درخواست یہ ہے کہ بجائے اپنا حکم صادر کرنے کے وہ حکم آپ سے لیں گے ... مداخلت ... اپنے آپ حکم صادر نہ فرمائیں ... مداخلت ...

SHRI V. NARAYANASAMY: Discipline the Member. Expel him from this House.

SHRI P. UPENDRA : I want to say something.

SHRI JAGESH DESAI : No, we will not allow you.

श्री सिकन्दर बख्त : लफ्ज़ों की उलझन में अभी किसी बात के लिए मुझसे अपालोजी मांगने के लिए आए, मैंने कह दिया क्योंकि बहस तलब वह लफ्ज का इस्तेमाल नहीं है, वहस तलब तो है जो कहा गया है। बदकिस्मती क्या है कि पी० उपेन्द्र साहब ने यह तय किया है कि उन्होंने कुछ बात कही है . . . **(व्यवधान)** . . . जरा सुनिए, लेकिन दिक्कत यह हो रही है कि हमारे इन ऑनरेबल मैम्बर्स ने यह फैसला कर रखा है कि बजाए चेयर से हुक्म आने के, हुक्म ये सादिर फरमाते हैं। अजीब तमाशा है यह। . . . **(व्यवधान)** . . .

†श्री सिकन्दर बख्त: लफ्ज़ों की उलझन में अभी किसी बात के लिए मुझसे अपालोजी मांगने के लिए आए, मैंने कह दिया क्योंकि बहस तलब वह लफ्ज का इस्तेमाल नहीं है, बहस तलब तो है जो कहा गया है। बदकिस्मती क्या है कि पी० उपेन्द्र साहब ने यह तय किया है कि उन्होंने कुछ बात कही है . . . (व्यवधान) . . . जरा सुनिए, लेकिन दिक्कत यह हो रही है कि हमारे इन ऑनरेबल मैम्बर्स ने यह फैसला कर रखा है कि बजाए चेयर से हुक्म आने के, हुक्म ये सादिर फरमाते हैं। अजीब तमाशा है यह। . . . (व्यवधान) . . .

SHRIMATI JAYANTHI NATARAJAN : What were you doing yesterday, you were all here . . . *{Interruptions)* . ..

SHRI V. NARAYANASAMY : Madam, it is a shame on the part of the Members of this House to keep people like Mr. Upendra in this House . . . *{Interruptions)*

SHRI P. UPENDRA : Madam, I want to say .. .

THE DEPUTY CHAIRMAN : You apologise and say. You apologise and say . . . *{Interruptions)* . ..

SHRI P. UPENDRA : Let me say something on my own behalf.

SHRI S. S. AHLUWALIA: No. First unconditional apology. Then only speak . . . *{Interruptions)* . . .

SHRI P. PUENDRA : Madam, hear me . . . *{Interruptions)* . . .

SHRI SURESH KALMADI : Apology . . . *(Interruptions)* , . .

SHRI V. NARAYANASAMY : Apology. Your remarks are uncalled for.

Name him . . . *{Interruptions)*

श्री दिग्विजय सिंह : एडजॉर्न कर दीजिए आप हाउस को। . . . **(व्यवधान)** . . .

श्री एस० एस० अहलुवालिया : काहे एडजॉर्न कर दें। एक आदमी के लिए एडजॉर्न नहीं होगा। . . . **(व्यवधान)** . . .

SHRIMATI IAYANTHI NATARAJAN : Name him Madam. . . . *{Inttrruptions)*. ..

SHRI P. UENDRA : You are not allowing me to say something.

THE DEPUTY CHAIRMAN : Mr. Upendra, I will allow you to do so, but you should first apologise and then say whatever you like. Apologise to the Leader of the House, and then say what you like to say . . . *{Interruptions)* . . .

SHRI P. UPENDRA : You permit me to say something.

THE DEPUTY CHAIRMAN : First you apologise because you have hurt the feelings of the House. You first hurt the feelings and then you say what you would like. You have a right to say, but you first apologise.

SHRI P. UPENDRA : Let me say SOBM-thing.

†[ ] Transliteration in Arabic Script.

THE DEPUTY CHAIRMAN : You cannot put conditions for the Chair also. I am sorry. *(Interruptions)*

SHRI P. UPENDRA : I should be allowed to say for a minute.

SHRI VI. NARAYANASAMY : As a senior Member he has been behaving like this. *(Interruptions')*

SHRI S. S. AHLUWALIA : No, we do not want to hear from him. We want only unconditional apology from him.

SHRIMATI JAYANTHI NATARAJAN : Madam, let him be suspended for the day. *(Interruptions)*

THE DEPUTY CHAIRMAN : I allowed Mr. Upendra to first apologise and then say whatever he wants to say. But he is not willing to do that.

SHRI SIKANDER BAKHT : He said he has withdrawn the words. He has done it. They go on advancing their demands.

SHRI S. S. AHLUWALIA : We. do not want any explanation from him.

SHRIMATI JAYANTHI NATARAJAN*: He must apologise or he should not be allowed to continue. *(Interruptions)*

THE DEPUTY CHAIRMAN : Mr. Upendra, you have been a Parliamentary Affairs Minister. You first apologise and say what you like to say.

SHRI P. UPENDRA : I have to say something on that also. *{Interruptions)*

SHRI SIKANDER BAKHT : Can he be made to surrender on their demands ? At least listen to him.

SHRIMATI JAYANTHI NATARAJAN : Why should we listen to him ? He is in your party. You listen to him. We do not have to listen to him. He has joined your party. We do not have to listen to him. He has insulted us snough. We won't to listen to more insults. *(Interruptions)* Madam, he is not apologising. He is giving an explanation. We do not want to hear his explanation. We want an apology.

Sharma Ji, how would you like if your leader ... *(Interruptions)*

SHRI SI S. AHLUWAL1A: Madam, unnecessarily he is wasting the valuable time of the House.

SHRI P. UPENDRA: I have alrefady withdrawn that.

SHRI S. S. AHLUWALIA : No.

उपसभापति : मि० अहलुवालिया, एक मिनट जरा एक मिनट रुकिए । आपने जो लब्ज का इस्तेमाल किया है

It was bad enough. *(Interruptions)* Mr. Kalmadi, just a minute, please.

SHRI P. UKENDRA: You are not allowing me. It is unfair.

SHRI V. NARAYANASAMY: First, what you said is in bad taste.

^SHRI V. UPENDRA : Here me for a minute

SHRI S. S. AHLUWALIA : You tender upconditipnal apology first Then you should speak; Otherwise no. *(Interruptions)*

{ SHRI P. UPENDRA : Madam, I want to .say something.

SHRI V. NARAYANASAMY: First apologise on what you said.

श्री एस० एस० अहलुवालिया : मांग लो माफी नहीं तो बाहर भी मांगते रहोगे माफी हाथ जोड़-जोड़ कर।

SHRI P. UPENDRA : Madam, will you allow me to say something ?

THE DEPUTY CHAIRMAN : The question is what I should allow you. To repeat the same words which you used ? I should know what you want to say. Do you want to say sorry to the Minister?

SHRI P. UPENDRA : There is no point in repeating the remarks. I want to say something. You allow me.

THE DEPUTY CHAIRMAN : What I should allow first, I should know it first.

SHRI S. S. AHLUWALIA : We do not want to hear anything. First you tender an unconditional apology. *(Interruptions)*

THE DEPUTY CHAIRMAN : One minute, Mr. Ahluwalia.

एक मिनट बैठिएगा, मि० अहलूवालिया। बैठिए, बैठिए, बैठिए प्लीज ।

श्री आरिफ मोहम्मद खान : मेरा आपसे अनुरोध है कि . . . (व्यवधान) ऐसे हाउस नहीं चलेगा । मैं चाहता हूं कि यह हाउस चले . . . (व्यवधान)

SHRI P. UPENDRA : Madam, I have already .said I have no intention to insult the Leader of the House. I have already withdrawn the world which I used.

उपसभापति : पहले यह माफी मांगें ।

SHRIMATI JAYANTHI NATARAJAN : He is repeating the same thing.

SHRI V. NARAYANASAMY : He has not withdrawn. Madam,the shall be asked to withdraw from the House.

THE DEPUTY CHAIRMAN : I permitted you. Listen to me. One minute, just listen to me. Mr. Singla, please. Mr. Upendra, in the first place I permitted you because you were on a point of order. I did pot know what you were going to say. While taking this opportunity yon had cast an aspersion on the Leader of the House. If I permit you without knowing what you are going to say, again it may become a problem. I cannot allow you. You must let me know what you are going to say.

SHRI P. UPENDRA : I have already withdrawn that word.

The DEPUTY CHAIRMAN: It is not a question of withdrawal.

SHRI SURESH KALMADI: Withdraw-ing: that -word is not enough. He should apologise.

SHRI V. NARAYANASAMY: He should know that he can't use that word in this House. He is a senior Member. He was a former Minister also ... *{Interruptions)* ...

THE DEPUTY CHAIRMAN: You should say sorry for saying such a word.

SHRI P. UPENDRA : Let him say that he has not misled me. If he denies it, it is okay. Bat he has deliberately misted me ... *(Interruptions)* ...

SHRIMATI JAYANTHI NATARAJAN: Madam, let him be named. This debate is in very bad taste. It is not good for the traditions of the House ... *(Interruptions)* ...

SHRI S. S. AHLUWALIA : Mrs. Alvaji, why should you give this explanation to him?

SHRI V. NARAYANASAMY: He doesn't deserve all these things. He has to apologise unconditionally.

SHRIMATI JAYANTHI NATARAJAN: Madam, if you conduct the debate on what he has said, it will be in very bad teste. Madam, let him be named. Please set a precedent. It is in very bad taste.

SHRI P. UPENDRA : I have withdrawn the word. You can do whatever you like.

THE LEADER OF THE OPPOSITION (SHRI SIKANDER BAKHT) : Let the Leader of the House say that he did not ... *(Interruptions)* ...

उपसभापति : आप लोग बैठिए, सुनिए, . . . सवाल यह होता है कि

At any time of the day, the Government can come and change it. Mease listen to what Mrs. Alva is saying. Listen to the Parliamentary Affairs Minister.

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF PERSONNEL, PUBLIC GRIEVANCES AND PENSIONS AND THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF PARLIAMENTARY AFFAIRS (SHRIMATI MARGARET ALVA) : Madam, I should be able to

explain it. Last time when there was trouble in the House, we had said, if the House runs, we will make a statement and we are prepared to clarify. At that time, three times the House was adjourned till 2.30 P.M. We could not make a statement. In the afternoon, the Home Minister had not yet come. A number of Members in the afternoon said, "Let the House go on." The House reassembled at 2.30 P.M. and was going on without any problem. At that stage a number of Members came and said, "Now that the House is running, why don't you make a statement and clarify because there are various things being said ?" There was a demand for his statement. I then went to the Home Minister and told him that Members were demanding a statement from him and since the House was running he should come and clarify the position. So at that time, perhaps, the Home Minister might have met him, I do not know. But at about 3.30 P.M. I also went to the Secretariat and said that the Home Minister might make a statement and they were getting it ready. At 4 o'clock, we came and a notice was given that at 5 o'clock the Home Minister would make a statement and I informed the Members who were present here. In fact, we had put it on the T.V. screen, shown it on the closed-circuit T.V.

THE DEPUTY CHAIRMAN : The letter came to us after 4.30 P.M.

SHRIMATI MARGARET ALVA : It was not my fault.

SHRI SIKANDER BAKHT : At what time the Secretariat was informed ?

THE DEPUTY CHAIRMAN : Just a minute. ... *(Interruptions)* . .. Please sit down. Mr. Sikander Bakht, please take your seat. The Secretary-General was informed ... *{Interruptions)* ...

जनरल साहिबा को और जिस वक्त मुझे इत्तिला मिली, उसके फौरन बाद ही टी०वी० पर लगा दिया । जिस वक्त मिली, Mr. Sikander Bakht, we are not supposed to show you the record. If you like, we can show it to you. We do not go by oral assurances. We go by written letters. Mr upendra and that the Minister did not tell it in the House. I am concerned with what has been said in the House. I do not work on oral assurances. My responsibility is to go by written assurances. Only then I will act. Until and unless the letter comes to me, I am not sure of the time when the statement is going to come. Till it comes tp mei, I will not put *it* on the TV. Till I received a letter from the Ministry, I could not. At quarter past four, or 4.45, we got the letter. We sent information. Perhaps, two or three minutes before that. I can tell you exactly.

SHRI GURUDAS DAS GUPTA (West Bengal) : Madam, I submit that the time of the House is extremely valuable. Mr. Upendra might have been hurt. I do not know. *(Interruptions).*

THE DEPUTY CHAIRMAN : How is he hurt?

SHRI GURUDAS DAS GUPTA : Whatever might have occurred, Mr. Upendra should unconditionally apologise for the words he has used. Why do I say so ? Madam, every game has its rules. This House has an Opposition; this House has a Government that is represented by the treasury benches. We have our complaints and they have their explanations. But this national forum of the country cannot be allowed to be degenerated into a forum where parliamentary democracy becomes meaningless. Therefore, I would most humbly, as a Member of the Opposition, request my hon. friend to kindly withdraw what he has said and put the House on proper rails. He should withdraw and apologise. At the same time, I request the hon. Leader of the House to kindly take into consideration the impression that is created in the minds of Members when they are not given proper information. That is my appeal to him. And, my appeal to Mr. Upendra will be to set the House in proper order and set a precedent by coming forward and apologising for what he has uttered.

SHRI P. UPENDRA : I am sorry for using that word. But the Home Minister should say something ... *(Jnterruptia.s).*

उपसभापति : सिकन्दर बख्त साहब, आपका भाषण तो हो गया . . . **(व्यवधान)**

श्री सिकन्दर बख्त : मैं कनक्लूड कर रहा हूं मैडम **(व्यवधान)**

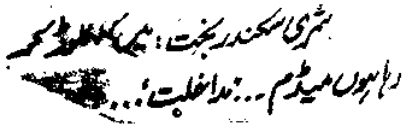

उपसभापति : अभी और कोई भाषण नहीं ,

श्री सिकन्दर बख्त : मैं कनक्लूड कर रहा हूं। असल में मैं तो कनक्लूड ही कर रहा था लेकिन हमारे पार्लियामेंटरी अफेयर्स मिनिस्टर साहब ने इंटरवीन किया . . . **(व्यवधान)**

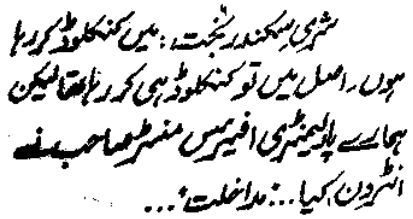

उपसभापति : उपेन्द्र साहब के प्वाइंट आफ आर्डर से झगड़ा हुआ . . . **(व्यवधान)**

श्री सिकन्दर बख्त : मेरे बोलने के सिलसिले में अबरार साहब ने इंटरवीन किया था . . . **(व्यवधान)**

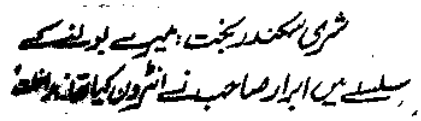

उपसभापति : अच्छा अब बोल दीजिए, खत्म हो जाएगा।

श्री सिकन्दर बख्त : नहीं खत्म हुआ । इन्होंने बहुत सीधी-सीधी कानूनी बात की । उन्होंने बेल लेकर आजादी नहीं ली । बेल का एक कायदा है, कानून है । बेल कोई लेने से इंकार करता है तो वह जेल में जाने के लिए तैयार है । सवाल यह है कि आप टिवस्ट और टर्न्स करते है और कानून को भी अपनी नजर से देखना चाहते है या कानून का इस्तेमाल आप अपोजीशन पार्टीज को दबाने के लिए करना चाहते है । मेरा ऐतराज इससे है । बेल लेने से इंकार हमने किया है, अब्वल दिन से किया है । बेल का तो जिक्र हमने कभी किया नहीं । आप चार्जशीट में देखिए —

They were released on bail.

उस अदालत ने उनको अनकंडीशनली रिलीज किया और यहां आपने . . . **(व्यवधान)**

इसी किस्म के टिवस्ट और टर्न्स अपने अल-पनज को देकर आप इस तरह की बातें कहते है । मेरा चार्ज है मैडम, कि सी०बी०आई० जैसे इंस्टीट्यूशन का इस्तेमाल कर रही है यह सरकार और अपने पोलिटिकल मकसद के लिए इस्तेमाल कर रही है । झूठे केसेज पैंबीकेट कर रही है और एक मौके पर नहीं, आधा दर्जन मौकों पर ये ऐसा कर चुके है । यहां के हाईयेस्ट फंक्शनरी को बचाने के लिए सी०बी०आई० के इंस्टीट्यूशन को इस्ते-माल किया गया और दोबारा से उसी केस के सिलसिले में दूसरी रिपोर्ट सी०बी०आई० के जरिए से लाकर आपने एक नए किस्म का प्रैशर बिल्डअप किया है । मेरा निवेदन है कि आप लोग इन तरीकों को छोड़िए और कायदे कानून के मुताबिक जो बात है, उस पर चलिए और खुदा के लिए जो गवर्नमेंटल इंस्टीट्यूशंस हैं, उन इंस्टीट्यूशंस का जाती और सियासी मकसद के लिए इस्तेमाल करना बंद करिए . . . **(व्यवधान)**

यह स्टेटमेंट बिल्कुल नामुकम्मल है जिसमें अपनी गलतियों के किए जाने का ऐतराज नहीं है और चूंकि इनकी ऑब्जर्वेशंस कंट्राडिक्टरी है। एक जगह आप बताते है कि बेल के संबंध में बाकयात क्या हैं, दूसरी जगह आप कहते है कि

मैं नहीं जानत। कि क्या है और मैं उसको ऑथेंटिकेट नहीं कर सकता हूं। सदर साहिबा, They are taking the entire Parliament for a ride.

मैं ऐतराज करना चाहता हूं कि मेहरबानी से इन झूटे मुकदमों को वापस लीजिए और इस किस्म के कमजोर स्टेटमेंट्स लेकर इस हाउस के सामने न आइए।

استعمال کر رہی ہے یہ سرکار اپنے پولیٹیکل مقصد کے لئے استعمال کر رہی ہے آپ لے کیسز فیبری کیٹ کر رہی ہے اور ایک موقع پر نہیں آدھا درجن موقعوں پر یہ ایسا کر چکے ہیں۔ یہاں کے ہائی ایسٹ فنکشری کو بچانے کے لئے سی۔بی۔آئی کے انسٹی ٹیوشن کو استعمال کیا گیا ہے اور دوبارہ سے اس کیس کے سلسلے میں دوسری رپورٹ سی۔بی۔آئی کے ذریعہ سے لاکر آپ نے ایک نئے قسم ٹاپریشر بلڈاپ کیا ہے۔ میرا نویدن ہے کہ آپ لوگ ان طریقوں کو چھوڑ دیئے اور قاعدہ اور قانون کے مطابق جو بات ہے اس پر چلئے اور خدا کے لئے جو گورنمنٹ انسٹی ٹیوشنس ہیں ان انسٹی ٹیوشنس کا ذاتی اور سیاسی مقصد کے لئے استعمال کرنا بند کر دیئے۔ "مداخلت"۔

یہ اسٹیٹ منٹ بالکل نامکمل ہے جس میں اپنی غلطیوں کے کئے جانے کا اعتراف نہیں ہے اور کیوں کہ انکی آبزرویشن کنٹراڈکٹری ہیں۔ ایک جگہ آپ بتاتے ہیں کہ بیل کے سمبندھ میں واقعات کیا ہیں۔ دوسری جگہ آپ کہتے ہیں کہ میں نہیں جانتا کہ کیا ہیں اور میں اس کو آتھنٹیکیٹ نہیں کر سکتا ہوں۔ صدر صاحبہ۔

They are taking the entire Parliament for a ride.

شری سکندر بخت: نہیں ختم ہوا۔ انہوں نے بہت سی باتیں سادی قانونی بات کریں۔ انہوں نے بیل لے کر آزادی نہیں لی بیل کا ایک قاعدہ ہے قانون ہے بیل کوئی لینے سے انکار کرتا ہے تو وہ جیل میں جانے کے لئے تیار ہے۔ سوال یہ ہے کہ آپ ٹوئس اور ٹونس کرتے ہیں اور قانون کو بھی اپنی نظر سے دیکھنا چاہتے ہیں یا قانون کا استعمال آپ اپوزیشن پارٹیز کو دبانے کے لئے کرنا چاہتے ہیں میرا اعتراض اس سے ہے۔ بیل لینے سے انکار ہم نے کیا ہے۔ اول دن سے کیا ہے بیل کا تو ہم نے ذکر کبھی کیا نہیں۔ آپ چارج شیٹ میں دیکھئے۔

They were released on bail

اس عدالت نے انکو ان کنڈیشنلی ریلیز کیا اور یہاں آپنے..."مداخلت"... اس قسم کے ٹونس اور ٹونس اپنے الفاظ کو دے کر آپ اس طرح کی باتیں کہتے ہیں۔ میرا چارج ہے میڈیم کو بھی۔ بی۔آئی جیسے انسٹی ٹیوشن کا

† [ ] Transliteration in Arabic Script.

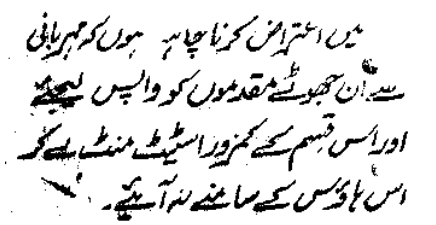

THE DEPUTY CHAIRMAN : Now that is over. I have got Legislative Business ... *{Interruptions)* ... Now I have *got* Legislative Business. Please sit down. Let me finish that. Legislative Business : Bill for Introduction. Shri P. A. Sangma.

श्री सिकन्दर बख्त : अगर होम मिनिस्टर साहब जवाब नहीं दे रहे हैं तो . . . (**व्यवधान**)

उपसभापति : इन्होंने जवाब दिया है । (**व्यवधान**)

श्री सिकन्दर बख्त : आज जवाब नहीं दिया है । जो हमने चार्ज लगाये हैं उसके लिए नाम्-कम्बल स्टेटमैंट लेकर इस हाउस के सामने क्यों आये है ? . . (**व्यवधान**) सदर साहिबा, जो हमने चार्ज लगाये हैं होम मिनिस्टर साहब उसका जवाब नहीं देना चाहते हैं तो we walk out.

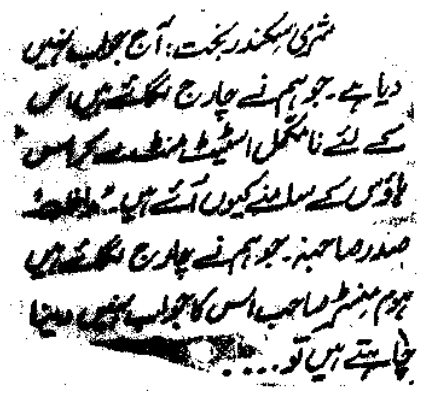

†[] Transliteration in Arabic Script.

(At this stage some hon. Members left the Chamber)

THE DEPUTY CHAIRMAN : Bill for Introduction. Shri Sangma.

:HE PAYMENT OF GRATUITY (AMENDMENT) BILL, 1993

'HE MINISTER OF STATE OF THE MINISTRY OF LABOUR (SHRI P. A. SANGMA) : Madam, I beg to move for leave to introduce a Bill further to amend the Payment of Gratuity Act, 1972.

The question was put and the motion #ai *adopted.*

SHRI P. A. SANGMA : Madam, I introduce the Bill.

SIGNING OF GAT*

श्री जगदीश प्रसाद भाथुर (उत्तर प्रदेश) : जो पोस्टल स्ट्राइक चल रही है हम इसका समर्थन करते है । (**व्यवधान**) मंत्री महोदय से आशा करते है कि वह उनसे बातचीत करके कोई रास्ता निकालेंगे (**व्यवधान**)। हम समझते हैं कि मंत्री महोदय न्याय करेंगे और पोस्टल विभाग के स्ट्राइक कर्मचारियों को बुला कर बात करेंगे । इसके साथ मैं भी वाकआउट करता हूं ।

SHRI M.A. BABAY (Kerala) : M*dam,

. . . (**तत्पश्चात् माननीय सदस्य सदन से चले गए**)

THE DEPUTY CHAIRMAN : Now what is your problem ?